



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 647] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 30, 1992/आश्विन 8, 1914

No. 647] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 30, 1992/ASVINA 8, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे यह भलग संक्षेप के खण्ड में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विन भन्नालय

(राजस्व विभाग)

नेत्रदीय प्रब्लेमकर बोर्ड

श्रियमूलना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1992

(प्राय-कर)

का.प्रा. 729(अ).—केन्द्रीय प्रब्लेमकर बोर्ड, प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 115ट द्वारा और धारा 295 द्वारा परत अक्षियों का प्रयोग करने हुए, प्राय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, पर्याप्त:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्राय-कर (प्राय-कर नियम) नियम, 1992 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. प्राय-कर नियम 1962, के भाग 2 के उपभाग ३क में नियम 11 छपके उप नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अवश्य:—

“(1) धारा 115-ट के उपबचों के अधीन देने के लिए अपार्टमेंट विवरण जो अपार्टमेंटों और उस हित्रू अधिकार मुद्राव के भिन्न जिसमें कोई सरकार ऐसा नहीं है जिसकी 1 प्रतिशत, 1993 को प्रारंभ होने वाले निर्धारण वर्ष से मुंसिगत पूर्व वर्ष के दोगत किसी भी भवय मकान आय 28000 रुपयों से अधिक है प्रस्तुप 4क में होगा और उस दिन अनियमक गुदाम के लिए जिसका कम से कम एक मवल्य दिया है जिसकी उक्त निर्धारण वर्ष से मुंसिगत पूर्व वर्ष के दोगत किसी भी भवय मकान आय 28000 रुपयों से अधिक है प्रस्तुप 4क में होगा और उसमें उपर्युक्त गीति से सत्यापित किया जाएगा।”

3. आयकर भियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में प्रलैप 4क के परचासु निम्नलिखित प्रलैप आन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

प्रलैप सं. 4क

(आयकर अधिनियम, 1961 का व्यवसाय 12-ग और आयकर नियमों का नियम 11 इह देखिए) सरलीकृत प्रक्रिया के अन्तर्गत विवरण नए करवाताओं के सिए जो ऐसा हित्रु अधिभक्त कुटुम्ब हो जिसमें कम से कम एक सदस्य ऐसा है जिसकी निधारण वर्ष 1993-94 से मुसंगत पूर्व वर्ष के दौरान सकल आय 28,000 रुपयों से अधिक है।

शीर्ष: 0021 आयकर— सरलीकृत प्रक्रिया

1. नाम स्ट्रेट भक्तों में

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. वित्तीय वर्ष

1	9	9	2	1	9	9	3
---	---	---	---	---	---	---	---

3. निवासीय पता

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

4. कारबाह का पता

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

5. कारबाह या व्यवसाय की प्रकृति*

छुदरा व्यापार भोजन स्थल चिकित्सा कैश कर्तन

टंकण कॉटो प्रतिलिपिकरण मरम्मत कार्य कपड़ा धावन

माय छोई व्यवसाय विनिविष्ट करें।

6. कारबाह या व्यवसाय से मात्री गई आय

3	5	0	0	0	८०
---	---	---	---	---	----

7. मात्रा गया आवर्त (केवल छुदरा व्यापारियों को लागू)

5	0	0	0	0	०	८.
---	---	---	---	---	---	----

8. कर के लिए प्रधार्य कारबाह या व्यवसाय से विभ

अन्य लोहों से आय (5000 रु. से अधिक)

					रु.
--	--	--	--	--	-----

9. धारा 803 के अधीन कठोरियाँ

लाभांश, वैक निकेपों पर आज, अन्य विनिविष्ट निकेपों
और प्रतिभूतियों पर आज (5000 रु. से अधिक)

					रु.
--	--	--	--	--	-----

10. कारबाह या व्यवसाय से विभ लोहों से शुद्ध आय

(8 में से ८ बटाइए)

					रु.
--	--	--	--	--	-----

11. संवेद कर 5100 रु.+धन (10) पर की रकम का 30 प्रतिशत

					रु.
--	--	--	--	--	-----

मैं योषणा करता हूँ कि मद 5 में वर्णित कारबाह या व्यवसाय से वित्तीय वर्ष के द्वीराम हित्रु अधिभक्त कुटुम्ब की आय वैतीस हजार रुपयों से अधिक नहीं है
और ऊरबरणित कारबाह या व्यवसाय से विभ सोनों से उक्त हित्रु अधिभक्त कुटुम्ब की आय 5000 रु. से अधिक नहीं है।

मैं यह भी योषणा करता हूँ कि उक्त हित्रु अधिभक्त कुटुम्ब की छुदरा व्यापार के कारबाह से आवर्त पांच लाख रुपए से अधिक नहीं है (केवल छुदरा व्यापारियों को लागू)

सत्यापन

मैं, _____ हित्रु अधिभक्त कुटुम्ब _____ का कर्ता/सदस्य* योषणा करता हूँ कि ऊपर जो कुछ कहा गया है वह
मेरे स्वीकृतम ज्ञान और विवाह से सही है।

मैं यह भी योषणा करता हूँ कि 1 अप्रैल, 1992 को या इसके पहले मारम्म होने वाले निधारण वर्ष के लिए आयकर के लिए उक्त हित्रु अधिभक्त कुटुम्ब का निधारण नहीं हुआ है।

सारीब

स्वाम

टिप्पणः— *जो लागू हो उस पर निशान लगाए।

1. **जो लागू न हो उसे काढ दें।

कारबाह के इस्ताबर

नक्कर/चैक/ड्राफ्ट सं.	तारीख	प्राप्त कर्ता बैंक के प्रयोग के लिए
दारा (णज्ज्वल में)	सं.	भुगतान प्राप्त किया
(अंकों में)	रुपया का संबोध	एक्सेल में फरम सञ्चालित
(बैंक का नाम)	की शास्त्री	चैक/ड्राफ्ट पेश करने की तारीख
में लिखा गया।		चैक/ड्राफ्ट वसूली की तारीख
संबोध करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर		रोकदिपा के हस्ताक्षर

[सं. ९१०८/फा. सं. १४२/१८/९२-टीपीएस]

के. एम. सुलतान, निवेशक (टीपीएल)

टिप्पणी :—मूल भित्ति अर्थात् आय-कर नियम, 1962, समय-समय पर यथा संस्कारित का ०भा० १६९ वित्तनाल २६-३-१९३२ के अनन्तर मनाया गया था।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 729(E) —In exercise of the powers conferred by section 115K and by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rule further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

- (1) These rules may be called the Income-tax (Eighteenth Amendment) Rules, 1992.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in sub-part EE, in rule 11EE, for sub-rule (1) for the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(1) The statement which is required to be furnished under the provisions of section 115K shall be in Form 4 A for individuals and Hindu undivided families not having any member whose total income at any time during the previous year relevant to the assessment year commencing on the 1st day of April, 1993 exceeds Rs. 28,000 and in Form 4B for Hindu undivided families having at least one member whose total income at any time during the previous year relevant to the said assessment year exceeds Rs. 28,000 and shall be verified in the manner indicated therein."
 - Appendix II of the Income-tax Rules, 1962, after Form 4A, the following form shall be inserted, namely:—

"FORM NO. 4B

[See Chapter XII-C of the Income-tax Act, 1961; and rule 11EE of the Income-tax Rules.]

Statement under the simplified procedure for new taxpayer being a Hindu undivided family which has at least one member whose total income during the previous year relevant to assessment year 1993-94 exceeds Rs. 28,000

HEAD : 0021 INCOME TAX - SIMPLIFIED PROCEDURE

1. NAME IN BLOCK LETTERS

Brickwork
Brickwork

2. FINANCIAL YEAR

1	9	9	2	-	1	9	9	3
---	---	---	---	---	---	---	---	---

3. RESIDENTIAL ADDRESS

4. BUSINESS ADDRESS

5. NATURE OF BUSINESS OR VOCATION*

RETAIL TRADE EATING PLACE TAILORING HAIR CUTTING
TYPING PHOTOCOPYING REPAIR WORK WASHING CLOTHES

ANY OTHER VOCATION—SPECIFY:

6. DEEMED INCOME FROM BUSINESS OR VOCATION

Rs. 3 | 0 | 0 | 0

7. DEEMED TURNOVER (APPLICATION ONLY TO RETAIL TRADERS)

Rs.	5	0	0	0	0	0
-----	---	---	---	---	---	---

**8. INCOME FROM SOURCES OTHER THAN BUSINESS OR
VOCATION CHARGEABLE TO TAX (NOT EXCEEDING RS. 5,000)**

Rs.

9. DEDUCTION UNDER SECTION 80L in respect of income from dividend, interest
on bank deposit, interest on other special deposit and securities [NOT EXCEEDING Rs. 5000]

Rs.

**10. NET INCOME FROM SOURCES OTHER THAN BUSINESS OR VOCATION
[8 MINUS 9]**

Rs.

11. TAX PAYABLE [Rs. 5,100 + 30% OF AMOUNT AT (10)]

R.S.

I, hereby declare that the income of the Hindu undivided family during the financial year from the business or vocation mentioned at item 5 does not exceed thirty-five thousand rupees and the said Hindu undivided family does not have any income exceeding Rs. 5,000 from sources other than business or vocation mentioned above.

I, further declare that the turnover from the business of retail trade of the said Hindu undivided family does not exceed five lakh rupees.
[Applicable only to retail traders]

Verification

I, Karta member** of the Hindu undivided family. hereby declare that what is stated above is true to the best of my knowledge and belief.

I, further declare that the said Hindu undivided family has not been assessed to income-tax for any assessment year commencing on or before 1st April, 1992.

Date _____

Place

.....
Signature of the Karta/member**

Note :- *Tick the one which is applicable

** Delete the one which is not applicable

Paid in cash/by cheque/draft No.....	dated.....	FOR USE IN THE RECEIVING BANK
Rupees..... (in words)	Rs..... (in figures)	RECEIVED PAYMENT
intoBranch of.....	[Name of the bank]	Serial No. in Scroll.....
Signature of the person making the payment		Cheque/draft tendered on.....
		Cheque/draft realised on.....
	Signature of cashier
STAMP OF THE BANK"		

[No. 9106/F. No. 142/18/92-TPL]

K.M. SULTAN, Director (TPL)

NOTE :—The principal rule viz. Income-tax Rules, 1962, as amended from time to time was made vide S.O. 969 dated 26-3-1962.

